जान लेते अस्पताल

अस्पतालों में भर्ती होने वाले नवजातों में से 10 से 20 प्रतिशत की मौत हो जाती है

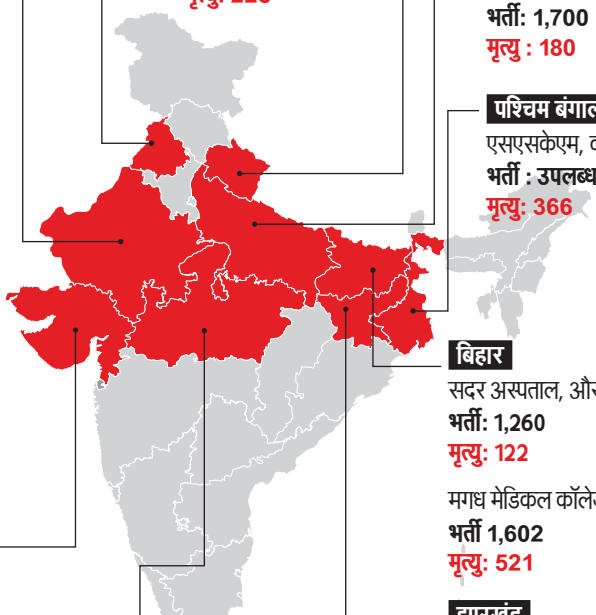

हरियाणा
राजकीय बादशाह खान अस्पताल, फरीदाबाद
भर्ती 2,177
मृत्यु 125

पंजाब
गुरु नानक देव अस्पताल, अमृतसर
भर्ती 1,560
मृत्यु 446 (छह माह के दौरान)

उत्तर प्रदेश
किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ
भर्ती: 4,015
मृत्यु: 650

चाइल्ड पीजीआई, नोएडा
भर्ती 6,000
मृत्यु 30

जिला अस्पताल, बरेली
भर्ती: 1,700
मृत्यु : 180

उत्तराखंड
डॉ सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, हल्द्वानी
भर्ती: 1401
मृत्यु: 228

राजस्थान
जनाना अस्पताल, बूंदी
भर्ती: 1,416
मृत्यु 82

महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा
भर्ती: 4,500
मृत्यु: 435

राजकीय जिला अस्पताल, बाड़मेर
भर्ती: 8,735
मृत्यु: 250 बच्चों

एनएनसीयू, जालौर
भर्ती: 946
मृत्यु: 42

महात्मा गांधी अस्पताल, उदयपुर
भर्ती: 18,735
मृत्यु: 1,928

पश्चिम बंगाल
एसएसकेएम, कोलकाता
भर्ती : उपलब्ध नहीं
मृत्यु: 366

बिहार
सदर अस्पताल, औरंगाबाद
भर्ती: 1,260
मृत्यु: 122

मगध मेडिकल कॉलेज, गया
भर्ती 1,602
मृत्यु: 521

गुजरात
सिविल अस्पताल, राजकोट
भर्ती 2,830
मृत्यु 1,235

सिविल अस्पताल, अहमदाबाद
भर्ती : 4,732
मृत्यु 1,002

मध्यप्रदेश
हमीदिया अस्पताल, भोपाल
भर्ती : 4,000
मृत्यु : 880

जेपी अस्पताल, भोपाल
भर्ती: 1,246
मृत्यु: 120

झारखंड
रिम्स, रांची
भर्ती: 3,400
मृत्यु: 1,246

ये आंकड़े वर्ष 2019 के हैं। इसमें 0 से 28 दिन तक के नवजात बच्चों को शामिल किया गया है